छायाचित्र: एजेंसी

राजदूत डेविड सी. मल्फ़र्ड और उनकी पत्नी जीनी मल्फ़र्ड को जून में रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान की यात्रा के दौरान मादा चीता ''लेडी ऑफ रणथंभौर'' दिखाई दी। उनके साथ कैटलिन लैंग (खड़ी हुई) और कैथलीन लैंग भी थे।

हैदराबाद में वर्ष 2008 के अंत तक अमेरिकी कांसुलेट की शुरुआत की जाएगी। इस बारे में अमेरिकी राजूदत डेविड सी. मल्फ़र्ड ने पाएगाह पैलेस में अस्थायी कांसुलेट भवन के लिए लीज समझौते पर हस्ताक्षर किए। भारत में अमेरिका का यह चौथा कांसुलेट होगा। उन्होंने इस मौके पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अमेरिकी सरकार ने निजाम युग की ऐतिहासिक इमारत के पुनरुद्धार और आधुनिकीकरण के लिए 76 लाख डॉलर की राशि मंजूर की है। चित्र में राजदूत मल्फ़र्ड आंध्र प्रदेश के प्रधान सचिव सी. आर. विश्वास (बाएं) के साथ दस्तावेज़ों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. राजशेखर रेड्डी (बीच में) भी मौजूद थे।

मंजेश कुमार © ए. पी. डब्ल्यू. डब्ल्यू. पी.

समाचार गुलदस्ता

अल्बामा विश्वविद्यालय की डॉ. फ्रांसिस ओनील ने फुलब्राइट स्कॉलर के रूप में भारत में हाल ही में छह महीने पूरे किए हैं। उन्होंने नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में ग्रेजुएट पाठ्यक्रम के बतौर अमेरिकी विदेश नीति की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को पढ़ाया। वह कहती हैं, ''मैंने जनवरी में जेएनयू में आने से पहले इस संस्थान के बारे में जानकारी हासिल की थी। मुझे आशा थी कि यहां मुखर और राजनीतिक रूप से सजग विद्यार्थी मिलेंगे और मुझे निराश नहीं होना पड़ा।'' फ़रवरी में उन्होंने भारत में यूसेफ़ी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित विद्वत व्याख्यान शृंखला में '21वीं सदी में अमेरिकी विदेश नीति: भविष्य की चुनौतियां' विषय पर व्याख्यान दिया।

http://www.fulbright-india.org/

सभार: फ्रांसिस ओनील

राजीव सिंह

जे. गोपीनाथ रेड्डी

अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास सहायता एजेंसी यूएसएड के वरिष्ठ ऊर्जा सलाहकार श्रीनिवासन पद्मनाभन को स्वच्छ ऊर्जा पुरस्कार मिला है। उन्हें यह पुरस्कार हैदराबाद के ग्रीन बिजनेस सेंटर और पानी और ऊर्जा की एक-दूसरे पर निर्भरता के क्रम में पानी-ऊर्जा से संबद्ध गतिविधियों के जरिये ऊर्जा संरक्षण में में योगदान के लिए मिला है। ग्रीन बिजनेस सेंटर ऐसी सामग्री से बना है जो पर्यावरण के अनुकूल है। इसमें ऊर्जा क्षमता बढ़ाने, पदार्थों के फिर से उपयोग और जल प्रबंधन को प्रोत्साहन दिया गया है। पद्मनाभन इस पुरस्कार को लेने के लिए जून में बसेल, स्विटजरलैंड गए। यह पुरस्कार ट्रांसअटलांटिक 21 एसोसिएशन द्वारा स्वच्छ प्रौद्योगिकी के मुख्य धारा के प्रयोगों को सम्मानित करने के लिए हैं।

छह महीने तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में रहने के बाद फ़्लाइट इंजीनियर सुनीता विलियम्स अटलांटिस अंतरिक्ष शटल में वापस धरती पर लौट आईं। अटलांटिस शटल कैलिफ़ोर्निया में उतरा। उन्होंने 194 दिन तक अंतरिक्ष में रहकर किसी महिला के सबसे लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने का रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले रूसी अंतरिक्ष स्टेशन मिर में शैनन लूसिड 188 दिन तक अंतरिक्ष में रही थीं। उन्होंने 29 घंटे 17 मिनट तक अंतरिक्ष में भ्रमण भी किया जो किसी महिला के अंतरिक्ष में भ्रमण का रिकॉर्ड है।

टिम जॉनसन © ए. पी. - डब्ल्यू. डब्ल्यू. पी.

कार्लोस बॉमस / गामा